उपभोक्ता विज्ञापनों के मायाजाल से दूर रहें

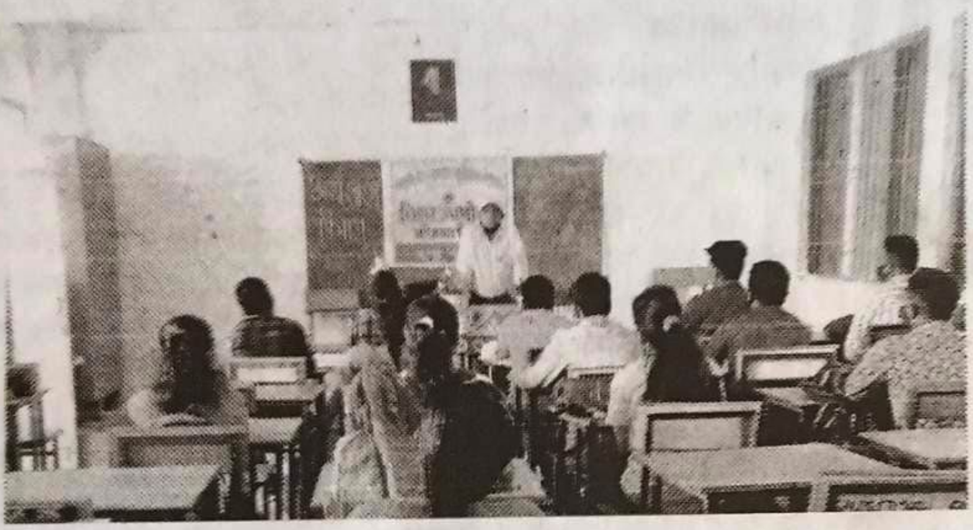

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विगत दिवस अर्थशास्त्र. विभाग के तत्वावधान में उपभोक्ता अधिकार दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ.आर.आर.कोचे ने उपभोक्ताओं को प्राप्त समस्त अधिकार एवं संरक्षण की जानकारी दी। विभागाध्यक्ष श्री कोचे ने बताया कि उपभोक्ताओं का शोषण विक्रेताओं द्वारा प्रमुखतया तीन प्रकार से किया जाता है जैसे-सामान कम वजन में तौलकर देना, मिलावटी सामग्री विक्रय करना तथा अधिक कीमत पर सामान विक्रय करना आदि। इन तीनों प्रकार से शोषण से संरक्षण एवं क्षतिपूर्ति का अधिकार उपभोक्ताओं को प्राप्त है। भारत सरकार द्वारा 1986 से उपभोक्ताओं का शोषण से संरक्षण हेतु कानून बनाये गये हैं। इन कानूनों तथा अधिनियमों को उपयोग उपभोक्ता तीन स्तरो पर कर सकता है। इसमें जिला स्तर पर जिला उपभोक्ता फोरम तथा राज्य स्तर पर राज्य उपभोक्ता फोरम के साथ राष्ट्रीय स्तर पर भी उपभोक्ता अपना संरक्षण तथा क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सकता है। अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ.आर.आर कोचे ने विषय विशेषज्ञ के रूप में अपना व्याख्यान देते हुए बताया कि उपभोक्ताओं को वस्तुओं तथा सेवाओं का क्रय करते हुए जागरूक होना आवश्यक है।

वर्तमान में चल रहे आकर्षक विज्ञापनों के मायाजाल में नहीं आना चाहिए। अनेक कंपनियां गुणवत्ताहीन सामान को आकर्षक विज्ञापन के मायाजाल से उपभोक्ताओं को भ्रमित कर शोषण करती है जो कि किसी भी दृष्टि से न्यायोचित नहीं है। व्याख्यान में अर्थशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राएं अधिक संख्या में उपस्थित हुए तथा इस विषय पर प्रश्नोत्तरी के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री मनीषा भेड़िया ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

एमए हिंदी के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन एक दिवसीय सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के मार्गदर्शन में एवं हिंदी विभाग डॉ. येशुक्रिती हजारे के निर्देशन में एमए हिंदी द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन एक दिवसीय सेमिनार हुआ।

जिसमें डॉ येशक्रिती हजारे ने बताया सेमिनार से छात्र विषय को बेहतर समझते हैं। विषय को प्रस्तुत करते हुए छात्रों में आत्म विश्वास बढ़ता है जिससे शोध कार्य में रूचि भी बढती है और लेखकों एवं कवियों की रचनाओं के माध्यम से जन मानस पर प्रभाव दिखाई देने लगता है। एमए हिंदी में पाठ्यक्रम को ध्यान में रख आधुनिक काव्य प्रगतिवाद प्रयोगवाद नयी कविता एवं समकालीन कविता पर अज्ञेय, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय, नागार्जुन , केदारनाथ अग्रवाल जैसे आदि कवियों पर लेख तैयार कर बच्चों ने सेमिनार में अपनी प्रस्तुति दी। एमए द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थी भवानी शंकर ,गोपाल दरगड, किरण, कामनी, यमुना, पुरणलाल ,दीपेश, आदि ने प्रस्तुति दी। दूसरी ओर एमए चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने हिंदी आलोचना तथा समीक्षा शास्त्र पर राजी, पूनम, प्रीति, हिमांशी, उर्वशी, गुंजा, काशी, भोज ने विचार रखे।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना का प्रभाव विषय पर हुई सामूहिक चर्चा

भास्कर न्यूज़ | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में सामूहिक चर्चा का आयोजन किया गया। समूह चर्चा का विषय भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना महामारी का प्रभाव था। चर्चा की शुरुआत अतिथि व्याख्याता प्रतिभा सिंह ने की। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था भी काफी प्रभावित हुई है। सर्वाधिक प्रभावित देश ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था जहां कि सकल घरेलू उत्पाद 11.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। इस महामारी में सबसे कम प्रभावित देश भारत व चीन है, जहां कि सकल घरेलू उत्पाद में महज 3.7 गिरावट का अनुमान है। इस संकट के समय में व्यक्ति स्वच्छता का महत्व व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक, आत्मनिर्भर व सीमित साधनों के साथ जीवन यापन का महत्व को जाना।

डोंगरगढ़. कोरोना महामारी से अर्थव्यवस्था के प्रभाव पर डाला प्रकाश।

कार्यशाला में बताया गया कि नदी व पर्यावरण शुद्ध हवा साथ ही लोगों की सहायता के लिए सभी लोग से तत्परता से कार्य किया। इसी क्रम में सभी छात्रों ने भी अपने विचार रखे। जिसमें एमकॉम तृतीय व प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने बताया कि कैसे इस महामारी में आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। साथ ही परिवार के साथ वक्त बिताया। शादी में कम खर्च हुए, पैसे का विनियोग किया गया। रोजगार गारंटी योजना में काम, बचत किए पैसे का महत्व जाना। शिक्षा की नई प्रणाली ऑनलाइन कक्षाएं हुई। सड़क दुर्घटनाएं कम हुई। प्रधानमंत्री राहत पैकेज की सहायता, यातायात प्रभावित, विभिन्न सेना समितियों द्वारा सेवा कार्य, महामारी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए अस्पताल के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज, होटल में व्यवस्था, छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हुई व स्व अध्ययन कक्षाओं, घर में रहकर कोडिंग करना सीखा। स्वच्छता व पर्यावरण के प्रति लोग जागरूक हुए तथा पर्यावरण के संरक्षण में अपनी भूमिका सुनिश्चित की।

बताया परिषद गठन का महत्व

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं आईक्यूएसी प्रभारी ईव्ही रेवती के मागदर्शन में महाविद्यालय के समस्त स्नातकोत्तर कक्षाओं के परिषदों के पदाधिकारियों एवं कक्षा प्रतिनिधियों की बैठक आहुत की गई। बैठक में डॉ. रेवती ने बैठक में उपस्थित समस्त परिषद के पदाधिकारी छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए परिषद के महत्व को बताया। प्राचार्य टांडेकर ने परिषद के उद्देश्य, महाविद्यालय में अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त संचालित गतिविधियों में पदाधिकारियों की भूमिका, नैक मूल्यांकन के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र संगठन (एलुमनी एसोसिएशन) के समस्त छात्रों के विकास में उनके द्वारा किये जा रहे प्रयास एवं सहायता से भी अवगत कराया।

कृषि कानून पर हुई सामूहिक चर्चा

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन और अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे के मागदर्शन में समकालीन विषय कृषि कानून विधेयक पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया। विषय की महत्ता एवं प्रासंगिता को रेखांकित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे ने बताया कि कृषि ऐसा विषय हे जिसका संबंध प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष रूप से सभी वर्गो के साथ है। भारत की बडी जनसंख्या जीवन यापन के लिए कृषि पर आधारित है। इसके

अतिरिक्त भारत की जीडीपी में भी कृषि का लगभग 15 प्रतिशत योगदान है। इन परिस्थितियों में वर्तमान कृषि कानून पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श करना आवश्यक हो गया। उक्त समूह चर्चा में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर विषय के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की।

नांदगांव टाइम्स राजनांदगांव ▪ बुधवार ▪ 03 फरवरी 2021 ▪

नेहरू महाविद्यालय में मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइक्म्स)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एव वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजना किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाडा के प्राध्यापक डॉ. अनिल जैन मुख्य वक्ता के रूप में उ उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर कोचे द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. अनिल जैन का पुष्पगुच्छ भेंटकर किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. अनिल जैन ने एम.कॉम. बीकॉम एवं एम.ए. अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवहारिक उदाहरण देकर विपणन की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. अनिल जैन ने हमारे जीवन में घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं के माध्यम से विपणन को प्रभावी बनाने के लिए उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी प्रदान करना आवश्यक बताया। आज के प्रतिस्पर्धा के युग में उपभोक्ता अथवा क्रेता ही भगवान है। उपभोक्ता व्यवसाय का भाग्य विधाता होता है। किसी व्यवसाय की सफलता अथवा असफलता अथवा किसी

वस्तु को खरीदने अथवा न खरीदने के निर्णय पर निर्भर करती है। विपणन हेतु व्यवसाय का पता होना चाहिए कि कौन, कब, क्या और कहा, कैसे और क्यों खरीदना चाहॅता है। यदि इनकी सही जानकारी हो जाये तो वह सफल व्यवसायी बन जायेंगा। उपभोक्ता व्यवहार को मनोवैज्ञानिक एवं आर्थिक रूप से प्रभावित किया जा सकता है। टीवी एवं समाचार पत्रो में चलने वाले विभिन्न विज्ञापन मनोवैज्ञानिक रूप से उस उत्पाद को खरीदने के लिए प्रेरित करते है। बड़े पैकट के मूल्य अधिक होने पर निम्न वर्ग के उपभोक्ता नही खरीद पायेंगे, इस बात को ध्यान में रखकर दो रूपये , पांच रूपये एवं दस रूपये के पैकेट बेच रहे है जैसे शैम्पू, बिस्किट, वॉशिंग पाउडर आदि। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने डॉ. अनिल जैन का परिचय देते बताया कि डॉ. जैन का अकादमिक सफर काफी लंबा है । उनके 16 लघु शोध प्रबंध, 60 सेमीनार, अनेक पत्र पत्रिकाओं में संपादक, सहसंपादक, लागत लेखांकन की पुस्तक के सहलेखक (राम प्रसाद एंड सन्स) इत्यादि के साथ -साथ डॉ. जैन अच्छे वक्ता भी है। विपणन के साथ-साथ डॉ. जैन की रूचि फिल्मो में अभिनय की भी हैं। विद्यार्थियों को फिल्म की शुटिंग कैसे होती है इसकी जानकारी भी उन्होने दी। डॉ. जैन की आने वाली फिल्म कलाकार आशुतोष राणा के साथ बच्चा गैंग है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर द्वारा डॉ.अनिल जैन को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन डॉ. श्रीमती ई.व्ही. रेवती ने किया।

छात्र-छात्राओं ने किया विश्लेषण

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती के मागदर्शन में एमकॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से अध्यायों का चयन कर प्रस्तुतिकरण दिया। एमकॉम

तृतीय सेमेस्टर के राजेश साहू, त्रिलोक सिन्हा, गंगाप्रसाद, गंगोत्री, प्रथम सेमेस्टर की ज्योति वर्मा, गायत्री नेताम, दीपाली, लिसा सिंह ने प्रस्तुतिकरण दिया। अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. रेवती ने बताया कि बदलते परिवेश में परम्परगत तरीको के साथ अध्ययन -अध्यापन की नवीन तकनीको को अपनाना आवश्यक है।

डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा- पर्यावरण पर निर्भर करता है सभी जीवों का अस्तित्व

आर्थिक, भौतिक व सामाजिक जीवन की दिशा में प्रगति के कदम उठाए

भास्कर न्यूज | डोंगरगढ़

डोंगरगढ़. मानव पर्यावरण संबंध विशय पर व्याख्यान का हुआ आयोजन।

शासकीय नेहरू कॉलेज में भूगोल विभाग के अंतर्गत मानव पर्यावरण संबंध विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि शासकीय दिग्विजय कॉलेज के भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिल मिश्रा ने कहा कि सृष्टि के जीवों में मानव एक मात्र प्राणी है, जिसे यह योग्यता प्राप्त है कि वह आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक और तकनीकी क्रिया से पर्यावरण के भौतिक परिवेश में परिवर्तन करके सांस्कृतिक परिवेश की रचना करता रहा है।

मानव इतिहास के प्रारंभ से ही अपने चारों ओर के पर्यावरण में रुचि रखता आया है। आदिम समाज में प्रत्येक व्यक्ति को अपने अस्तित्व के लिए अपने पर्यावरण का समुचित ज्ञान आवश्यक होता था। मनुष्य में अग्नि व अन्य यंत्रों का प्रयोग पर्यावरण को परिवर्तित करने के लिए सीखा। जांच और भूल विधि से मानव अपने पर्यावरणीय ज्ञान में वृद्धि करता रहा है। धीरे-धीरे पर्यावरण में संबंधित ज्ञान का भंडार इतना विस्तृत एवं वृहद् हो गया कि इसे विज्ञान का रूप दिया जा सकने की स्थिति आ गई और पर्यावरण अध्ययन के व्यवस्थित रूप "पर्यावरण विज्ञान" का जन्म हुआ। विगत 100 वर्षों में मानव ने आर्थिक, भौतिक व सामाजिक जीवन की प्रत्येक दिशा में प्रगति के लंबे-लंबे कदम उठाए हैं। उसका इन क्षेत्रों में प्रगति का मात्र एक उद्देश्य था इससे उसका स्वयं का हित हो। उसने इस प्रगति के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दिया।

जीवों ने चारों ओर की वस्तुएं जो उनकी जीवन क्रियाओं को प्रभावित करती है, वातावरण का निर्माण करती है। यथार्थ में जीव और पर्यावरण अन्योन्याश्रित है। एक की दूसरे से पृथक सत्ता की कल्पना करना असंभव है। सभी जीवों का अस्तित्व चारों ओर के पर्यावरण पर निर्भर करता है।

डोंगरगढ़ नेहरू महाविद्यालय में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में कार्यालय प्रबंधन, मानव व्यवहार एवं नैक मूल्यांकन में कर्मचारियों की भूमिका विषय पर 8 फरवरी सोमवार को अतिथि व्याख्यान एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी शासकीय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेशचंद्र शर्मा उपस्थित थे.

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता डॉ. महेशचंद्र शर्मा एवं प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल कर किया गया. डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने हाल ही में अपनी लिखित पुस्तक साहित्य और समाज एवं गागर में सागर प्राचार्य को भेंट की.

व्याख्यान में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. महेशचंद्र शर्मा ने उपस्थित महाविद्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए बताया कि कार्यालय प्रबंधन किसी भी संस्थान का वह अंग होता है जिसके बिना संस्थान अधूरा है. कार्यालय प्रबंधन में संस्थान के द्वारा किए गए व्यवहारिक कार्यों को कागजी रूप दिया जाता है.

किसी भी संगठन की उन्नति में कार्यालय प्रबंधन का योगदान महत्वपूर्ण होता है. नैक मूल्यांकन में कर्मचारियों की भूमिका अहम होती है. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर ने मुख्य वक्ता डॉ. महेशचंद्र शर्मा का परिचय देते हुए कहा कि आज हमारे बीच लोकप्रिय शिक्षाविद् एवं लेखक एवं प्राचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा उपस्थित थे.

शास. नेहरू महाविद्यालय में विधायक बघेल के हाथो बेंडमिंटन कोर्ट सहित परिस्थिति की पाठशाला का हुआ लोकार्पण

मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित, महाविद्यालय परिसर में हुआ वृक्षारोपण

डोंगरगढ़ (नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर

महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 15 जुलाई को स्थानीय विधायक एवं अध्यक्ष अनु. जाति प्राधिकरण (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) भुनेश्वर बघेल के मुख्य आतिथ्य, जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान के विशिष्ट आतिथ्य एवं नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम, कांग्रेस नेता शिशुपाल भारती एवं गणेश मुदलियार सहित महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के आतिथ्य में महाविद्यालय के नवीन भवन में निर्मित बैडमिंटन कोर्ट का लोकार्पण सहित आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं के लिए परिस्थिति की पाठशाला एवं विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.एल.टाण्डेकर द्वारा मुख्य अतिथि विधायक भुनेश्वर बघेल सहित समस्त अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात एनएसयूआई टीम के डाकेश्वर वर्मा ने मांगपत्र का वाचन कर छात्र-छात्राओं की मांगों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक भुनेश्वर बघेल ने कहा कि नेहरू महाविद्यालय के नवीन भवन में यह मेरा प्रथम आगमन है। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की अध्ययन-अध्यापन के लिए यहां समस्त सुविधाएं उपलब्ध है एवं छात्र संगठन द्वारा समय-समय पर जो भी मांगे की जा रही है, उसे छात्रहित को ध्यान में रखते हुए पूर्ण किया जायेगा। श्री बघेल ने कोविड-19 काल में विश्वविद्यालयीन परीक्षा में छात्रसंघ द्वारा दूरवर्ती एवं ग्रामीण अंचल में रहने वाले विद्यार्थियों तक उत्तर पुस्तिका पहुचाने से लेकर उनसे उत्तर पुस्तिका लेकर महाविद्यालय में जमा करने के प्रयास को सराहनीय बताते हुए एक दूसरे की निरंतर मदद करते रहने की बात कही। विधायक श्री बघेल ने छात्रसंघ की मांग पर महाविद्यालय में एक नग बोर खनन सहित अपनी ओर से महाविद्यालय परिवार को छात्र-छात्राओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए एक नग वॉटर कूलर प्रदान करने की भी घोषणा की। साथ ही कोविड-19 के नियमो का पालन करने के साथ-साथ पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की बात कही। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नवाज खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय में छात्र-छात्राओ की सुविधा विस्तार हेतु निरंतर कार्य किये जा रहे है, महाविद्यालीन छात्र-छात्राओ को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे इसके लिए महाविद्यालय में और भी कई सुविधाएं उपलब्ध करायी जायेगी। नगर पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम ने भी छात्र-छात्राओं की मांग पर महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं हेतु सायकल स्टेण्ड निर्माण जल्द-जल्द पूर्ण कराने की बात कही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं जिन्होंने सत्र 2015-16, 2018-19 एवं 2019-20 के विश्वविद्यालयीन प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया को 2-2 हजार रूपये के चेक देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय में निर्धन एवं आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को

पठन-पाठन में असुविधा न हो इसके लिए महाविद्यालय द्वारा परिस्थिति की पाठशाला योजना का शुभारंभ किया गया जिसको कार्यक्रम में उपस्थित विधायक भुनेश्वर बघेल, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नवाज खान एवं नगर पालिका अधिकारी सुदेश मेश्राम ने फीता काटकर परिस्थिति की पाठशाला कक्ष का शुभारंभ किया, जहां से आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राएं नि:शुल्क पाठ्य सामाग्री सहित स्टेशनरी प्राप्त कर सकेंगे। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा छात्र-छात्राओं को खेलकूद सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से नवनिर्मित बेडमिंटन कोर्ट का फीता काटकर लोकार्पण किया। साथ ही विधायक बघेल एवं जन.समिति अध्यक्ष नवाज खान द्वारा शानदार तरीके से बैडमिंटन खेला गया। तत्पश्चात महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें समस्त अतिथियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय प्राध्यापकगण डॉ. ई.व्ही. रेवती, डॉ. आर.आर.कोचे, बी.आर.सिवारे, ग्रंथपाल नितेश तिरपुडे सहित अतिथि व्याख्यातगण डॉ. नीता ठाकुर, डॉ.येशुकिर्ती हजारे, डॉ. नौशिन अंजुम, डॉ. मेधाविनी तुरे, डॉ. विजय लाल तिवारी, श्रीमती ज्योति ठाकुर, श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती, कु. ऋचा अग्रवाल, श्रीमती उमा महोबिया, कु. प्रतिभा सिंह, कु. पदमा खुटे, कु. अनिमा मिंज, कु. वर्षा मेश्राम, सुनील कुमार, हेमंत कुमार, रोशन कुमार, वासुदेव साहू सहित महाविद्यालय के कर्मचारी संजय तिवारी, केजी सोनकर, बीआर कोसरे, बीएस मंडावी, सोहद्रा उइके, विवेक श्रीवास, शरद लाटा, संदीप गजभिये, सुशील सोनवानी, शैलेन्द्र यादव, चित्रा खोब्रागडे सहित छात्रसंघ के डाकेश्वर वर्मा, रमन साहू, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने किया।

विद्यार्थियों ने जाना शिक्षा का महत्व और जीवन जीने की कला

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जीवन विद्या परिचय विषय पर तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कालेज के विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। शिविर में मध्यस्थल दर्शन सह अस्तित्ववाद प्रणेता नागराज मानवीय शिक्षा संस्थान अछोटी रायपुर अध्ययनरत प्रबोधक कृष्ण कुमार पटेल, अविनाश बारले व किरण नरेडी ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताकर जीवन जीने की कला सिखाई। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली अंग्रेजों की बनाई शिक्षा प्रणाली है, जो पूरी तरह एकांगी है।

इससे छात्र पढ़ाई पूरी होते ही नौकरी के लिए प्रयास करता है। यह शिक्षा पद्धति उसे स्वावलंबी नहीं बनाती। इस शिक्षा पद्धति से आज की युवा पीढ़ी को संस्कार नहीं मिले, जिससे व्यक्ति भारतीय संस्कृति को भूल सा रहा है। हमारा राष्ट्रीय चरित्र शून्य है। हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जा आज की युवा पीढ़ी को संस्कार युक्त राष्ट्र भक्ति से ओत-प्रोत एवं कुशल बना सके। उक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया है ताकि विद्यार्थी का चरित्र सुढ़ हो सके तथा वह देश समाज के लिए अपनी जिम्मेदारी पूरी कर सके।

शिविर में बड़ी संख्या में कालेज के विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता निभाई। ● आयोजन समिति

कौशल विकास पर जोर: शिविर में प्रबोधक एवं शिक्षक अविनाश बारले, कृष्ण कुमार पटेल ने छात्र-छात्राओं को चेतना विकास मूल्य शिक्षा अर्थात जीवन विद्या की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में शिक्षा में कौशल विकास को अधिक फोकस किया। युवा पीढी तनाव, परिवार में टूटने मानवीय मूल्यों की कमी इत्यादि समस्याओं के गर्त में चले जा रहे है और समस्याओ के समाधान निकालने में असमर्थता परिलक्षित होती है। जिसके विकल्प में आज नई शिक्षानीति में शिक्षा का मनवीयकरण में मूल्य शिक्षा को प्राथमिकता के क्रम में स्थान दिया गया है।

चेतना विकास मूल्य शिक्षा के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव का अध्ययन है। जिसके अंतर्गत किसी भी बात को तक की कसौटी निरीक्षण, परीक्षण, सर्वेक्षण, के आधार पर जांचते हुए सही समझ के साथ जीने का प्रस्ताव प्रस्तुत करता है। जैसे मानव क्या है। मानवीयतापूर्ण आचरण, अस्तित्व,जीवन इत्यादि समझ की वस्तु है। जिन्हें समझकर समझपूर्वक मानव कार्य और व्यवहार में अग्रसर होता है, तो वह निश्चित ही अपने लक्ष्य शिकायत मुक्त संबंध और अभाव मुक्त परिवार की स्थिति को प्राप्त कर सकता है,जो निरंतर सुखी होने का आधार है। उन्होंने चेतना विकास द्वारा शिक्षा के तरीकों पर जानकारी देते हुए कहा कि मानव चेतना अर्थात सार्वभौम मानवीय आचरण, मानव की मानव के रूप में पहचान करना, परंपरागत मूल्य शिक्षा, शिक्षा का मानवीकरण अर्थात मानव का अध्ययन, सार्वभौम व्यवस्था की पहचान करना आदि विद्यया है। चेतना विकास मूल्यो में शिक्षा से व्यक्ति में समाधान अर्थात क्या, क्यो, कैसे कितना का उत्तर स्वयं पा लेना अर्थात समस्याओं से मुक्ति, परिवार में समृधि अर्थात किसी भी वस्तु की कमी न होना अर्थात पर्याप्तता, समाज में भयमुक्त वातावरण अर्थात आतंक, हिसा आदि का अभाव, प्रकृति में सहअस्तित्व अर्थात सभी इकाइयो में माता-पिता के प्रति आदर एवं कृतज्ञता होना।

विद्यार्थियों ने रखे अपने विचार

तीन दिवसीय शिविर में महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के लगभग 80 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं जीवन जीने की कला से लाभांवित हुए। शिविर के समापन अवसर पर समस्त छात्राओं ने तीन दिन शिविर में बताई गई बातो एवं अनुभवो पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उक्त शिविर से उन्हें क्या-क्या लाभ मिले एवं उनके जीवन में क्या परिवर्तन आने शुरू हुए इसकी जानकारी दी। साथ ही अन्य लोगों को इस शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित करने की बात कही। इस दौरान प्राध्यापक डा.इव्ही रेवती, डा.प्रदीप कुमार जाम्बुलकर, डा. आरआर कोचे, बी.आर. सिवारे, अतिथि शिक्षक डा.नीता ठाकुर, डा.येशुक्रिती हजारे, डा.नौशिन अंजुम, ममता देवांगन, प्रतिभा सिंह, ज्योति साहू, तूलिका चक्रवर्ती, लीलाराम देवांगन व अन्य मौजूद रहे।

भूगोल विभाग में दो दिवसीय कार्यशाला

नवभारत प्रतिनिधि ✣ डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

शासकीय नेहरू स्नताकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के भूगोल विभाग द्वारा कम्प्रेहेन्सिव कैरियर गाईडेंस डेव्हलपमेंट प्रोग्राम विषय पर 1 एवं 2 जुलाई को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस ऑनलाइन कार्यशाला के संयोजक डॉ वियज लाल तिवारी तथा सहसंयोजक डॉ. नौशिन अंजुम रहीं. इस वेबीनार के मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार धगत कुलपति श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर मध्यप्रदेश रहे. कार्यक्रम का उद्घोष एवं अतिथि स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. केएल टाण्डेकर द्वारा किया गया. मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार धगत थे. अध्यक्षता डॉ. प्रशांत चौहान आईआरएस डिप्टी कमीशनर डीजीजीआई (डायरेक्ट जनरल आफ जीएसटी इंटेलिजेंस) भुवनेश्वर उड़ीसा ने की. प्रथम दिवस के प्रथम वक्ता के रूप में अजय कुमार मिश्रा वर्तमान में सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय लवन जिला बलौदाबाजार एवं दूसरे वक्ता के रूप में डॉ. पीएन सनेसर सहायक प्राध्यापक शासकीय स्वायत्तशासीय महाविद्यालय छिन्दवाड़ा मध्यप्रदेश शामिल रहे.

दूसरे दिवस के प्रथम वक्ता के रूप में डॉ. गौरगोपाल बनिक सहायक प्राध्यापक वाणिज्य विभाग गुहाटी विश्वविद्यालय असम एवं दूसरे वक्ता के रूप में रूप में डॉ. बीएन बाघमारे सहायक प्राध्यापक राजीव गांधी समकालीन अध्ययन केन्द्र मुंबई थे. कार्यक्रम के अंत में डॉ. नौशिन अंजुम विभागाध्यक्ष ने सभी अतिथियों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती डॉ. आशा चौधरी डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर डॉ. आरआर कोचे बीआर सिवारे सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया.

बैठक में बताया गया परिषद गठन का महत्व

डोंगरगढ़(दावा)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. ई.व्ही. रेवती के मागदर्शन में 01 मार्च को महाविद्यालय के समस्त स्नातकोत्तर कक्षाओं के परिषदों के पदाधिकारियों एवं कक्षा प्रतिनिधियों की बैठक आहुत की गई। बैठक में डॉ. रेवती द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त परिषद के पदाधिकारी छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए परिषद के महत्व को बताया गया। प्राचार्य डॉ. के एल टाण्डेकर ने परिषद के उद्देश्य , महाविद्यालय मं अध्ययन-अध्यापन के अतिरिक्त संचालित गतिविधियों में पदाधिकारियों की भूमिका, नैक मूल्यांकन के बारे में जानकारी दी.

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र संगठन (एलुमनी एसोसिएशन) के समस्त छात्रों के विकास में उनके द्वारा किये जा रहे प्रयास एवं सहायता से अवगत कराया. छात्रो द्वारा अपने विचार रखे गये जिसमें छात्रा नौशी कुरेशी ने बताया कि महाविद्यालय में युवा संसद का आयोजन, विभाग के पदाधिकारियों द्वारा किया जाये, जिससे महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं संसद की प्रक्रिया को आसानी से समझ पायें प्रवीण सोनी ने बताया गया कि हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना कम है, उनमे इस भाना को जागृत करना चाहिए. पुष्पेन्द्र साहू द्वारा बताया गया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी सीजीपीएससी, आईएएस, एसएससी, नेट, सेट, यदि कोई विद्यार्थी तैयारी करना चाहता है तो मैं स्वयं तैयारी कर रहा हूँ एवं सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा। तैयारी के लिए शीघ्र ही प्रश्नौतरी का आयोजन किया जायेगा. अंत में डॉ. ई.व्ही. रेवती ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने हेतु विभिन्न आयोजन महाविद्यालय में आयोजित किये जा रहे है. विद्यार्थी जीवन लौटकर नही आता अतः सभी आयोजनो में परिषदके पदाधिकारियों की सक्रीय सहभागिता होनी चाहिए। कोविड 19 के इस दौर में व्यू को सुरक्षित हुए शासन-प्रशासन के नियमो का पालन करते हुए समय का सदुपयोग करें. परिषद में सभी सर्वोच्च अंक प्राप्त विद्यार्थी है. वे अपने नई सोच से महाविद्यालय को नैक मूल्यांकन में अच्छा ग्रेड दिलाने में सहयोग कर सकते हैं.

विद्यार्थियों को कराया टेक्नॉलाजी सेंटर दुर्ग का शैक्षणिक भ्रमण

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू महाविद्यालय में डोंगरगढ़ के प्राचार्य प्रदीप कुमार जांबुलकर के दिशा-निर्देशन में महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग और वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को 4 अप्रैल को विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती एवं तूलिका चक्रवर्ती के मागदर्शन में छात्र-छात्राओ को एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग एवं अक्षय पात्र भिलाई का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उक्त शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के पीजीडीसीए, बीकॉम, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, एवं डीसीए के कुल 90 विद्यार्थियों ने एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग रसमड़ा जाकर कम्प्युटर के बेसिक पार्ट्स और लैंग्वेजेज की प्रैक्टिकल जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा वहां सीएनसी मशीन एवं मशीन वर्टीकल तथा मशीन मिलिंग मशीन को प्रैक्टिकल देखा और ये भी जाना कि इन मशीन को कंप्यूटर के द्वारा कैसे चलाया जाता हैं और कैसे उनकी प्रोग्रामिंग की जाती है। इस अवसर पर एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग में छात्र-छात्राओं के लिए एक व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। व्याख्यान पश्चात विद्यार्थियों को एमएसएमई द्वारा छात्र-छात्राओं को सहभगिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को अक्षय पात्र भिलाई ले जाया गया, जहाँ उन्होंने वहाँ की कार्यप्रणाली जानी, वहां विद्यार्थियों ने कीचन में मशीनो से भोजन बनाने की तकनीक की जानकारी प्राप्त की। अक्षय पात्र में विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यस्था भी की गई थी। उक्त शैक्षणिक भ्रमण से 90 विद्यार्थी लाभावित हुए। महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. जांबुलकर ने सफल शैक्षणिक भ्रमण के लिए आयोजक विभाग को शुभकामनाएं दी।

शोध कार्यों में आंकड़ों की सत्यता जरूरी : शकुंतला

नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में आयोजित व्याख्यान में शामिल अतिथि एवं विद्यार्थी। ● सौ. कालेज

डोंगरगढ़(नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में सामाजिक शोध प्रविधि में निर्देशन प्रविधि विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता वीरांगना अंवती बाई शासकीय महाविद्यालय छुईखदान की भूगोल विभाग विभागाध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य डा.शकुंतला त्रिपाठी थीं।

त्रिपाठी ने एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को सामाजिक शोध प्रविधि का महत्व बताया साथ ही शोध कार्य में कैसे रुचि उत्पन्न हो, शोध कैसे प्रारंभ करें इस पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शोध कार्यो आंकड़ों की सत्यता और निष्पक्षता बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने त्रिपाठी को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ प्राध्यपक डा.प्रदीप जाम्बुलकर, प्रयोगशाला तकनीशियन बीआर कोसले, भूगोल विभागाध्यक्ष डा.नौशीन अंजूम सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

पुस्तकों में है ज्ञान का भंडार

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन एवं पुस्तकालय विभाग के प्रमुख नितेश तिरपुडे के मागदर्शन में एक दिवसीय पुस्तक मेला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्राध्यापक डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर थे। क्रीड़ा अधिकारी डॉ.एमएल नंदेश्वर ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रंथालय के जनक एवं पदमश्री से सम्मानित डॉ. एसआर रंगनाथन के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। पुस्तक मेले में आमत्रित नगर के बुक स्टॉल के संचालक शिवराज बोरकर ने कालेज के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा एवं विषय से संबंधित उपयोगी पुस्तके, मैग्जिन एवं पत्र-पत्रिकाओं का स्टाल लगाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. जाम्बुलकर ने ग्रंथालय के जनक डॉ. रंगनाथन के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम अध्यक्ष क्रीड़ा अधिकारी डॉ. नंदेश्वर ने कहा कि वैश्विक महामारी के दौरान सभी शिक्षण संस्थाएं बंद थी। भौतिक रूप से उपस्थित होकर किसी भी तरह के आयोजन में मनाही थी। इसी कारण से महाविद्यालय में पुस्तक मेले का आयोजन नहीं हुआ था। ग्रंथपाल श्री

तिरपुडे ने पुस्तक की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं शिक्षको का उस ज्ञान के खजाने से परिचित करना है जो ग्रंथालय में उपलब्ध है। अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे ने कहा कि आज युग इंटरनेट का है, किन्तु पुस्तको का अपना एक अलग महत्व है। पुस्तक मेले में प्राध्यापक बीआर सिवारे, संजय तिवारी, बीएस मंडावी, बीआर कोसले, केजी सोनकर, विवेक श्रीवास, सोहद्रा उइके, शरद लाटा, संदीप गजभिये, सुशील सोनवानी, मीनाक्षी बोपचे, शैलेन्द्र यादव, खेमनलाल धनेन्द्र, विनोद सहारे, डाकेश्वर वर्मा, विक्की रामटेके, रमन साहू, मोहनीश तुरकर आदि शामिल हुए।

अंग्रेजी सीखने के लिए पढ़ना-लिखना बोलना और सुनना जरूरी : डा. कुर्रे

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंग्रेजी सीखने के विषय में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता लाल चक्रधर शाह महाविद्यालय अंबागढ़ चौकी के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नितेश कुर्रे थे। व्याख्यान प्राचार्य डा. केएल टांडेकर व योगेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

व्याख्यान को संबोधित करते हुए मुख्यवक्ता डा. नितेश कुर्रे ने कहा कि अंग्रेजी सीखने के लिए पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना जरुरी है। छात्र-छात्राओं को पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से अंग्रेजी सीखने के तरीके के साथ.-साथ अंग्रेजी विषय में रूचि कैसे पैदा करें, अंग्रेजी बोलने के आसान तरीकों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आत्मविश्वास बनाए रखें, अपने आप को अंग्रेजी बोलने वाले वातावरण में रखें, प्रतिदिन अभ्यास करें, अध्ययन योजना बनाए, एक दिनचर्या स्थापित करें। सीखे गए नए शब्दों की एक नोटबुक रखें। वाक्यों में उनका उपयोग करें और

व्याख्यान में बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए। • नईदुनिया

जब आप बोलते हैं तो उन्हें कम से कम तीन बार कहने का प्रयास करें। प्राचार्य डा. केएल टांडेकर ने अंग्रेजी के छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी विषय की महत्ता बताते हुए इस विषय में भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता नितेश कुर्रे को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन क्रीड़ा अधिकारी डा. मुन्नालाल नंदेश्वर व आभार प्रदर्शन योगेश निषाद ने किया।

आयोजन

सफल व्यवसायी बनने के लिए विशेषज्ञ ने दी जानकारी

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा-निर्देशन एव वाणिज्य एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मार्केटिंग विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजना किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राध्यापक डॉ. अनिल जैन उपस्थित थे। कार्यर म का शुभारंभ वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. अनिल जैन का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. अनिल जैन ने एमकॉम बीकॉम एवं एमए अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को विभिन्न व्यवहारिक उदाहरण देकर विपणन की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. जैन ने हमारे जीवन में घटित होने वाली विभिन्न घटनाओं के माध्यम से विपणन को प्रभावी बनाने के लिए उपभोक्ता व्यवहार की जानकारी प्रदान करना आवश्यक बताया।

पौधरोपण कर हम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करे-डॉ. टाडेकर

नेहरू कालेज में पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण

डोंगरगढ़(दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्राचार्य डॉ टांडे कर ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि वृक्ष हमारा जीवन है. वृक्षारोपण के माध्यम से हम प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर सकते हैं.

हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. नीता ठाकुर डॉ. येशुक्रिती हजारे डॉ. मेधाविनी तुरे आदि ने वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताया. विद्यार्थियों द्वारा गुलाब, चंपा, जामुन, अनार, चमेली, मोंगरा, गेंदा आदि महाविद्यालय परिसर में लगाया गया. इस अवसर पर डॉ. आर.आर. कोचे डॉ. नंदेश्वर, लीलीराम देवांगन सहित एम.ए. हिंदी विषय के छात्र-छात्राएं राजी सिंह, श्वेता सांघोडे, गोपाल दरगढ़, दीपेश यादव, भवानी शंकर, वेणुका बंजारे, पूरनलाल कंवर आदि उपस्थित थे।

आर्थिक सिद्धांतों का रेखाचित्रिय विषय पर अर्थशास्त्र विभाग में व्याख्यान हुआ

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभगाध्यक्ष डॉ. आरआर कोचे मागदर्शन में आर्थिक सिद्धांतों का रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय शासकीय रानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी, महाविद्यालय रामाटोला के सहायक प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार रंगारी उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता डॉ. मनोज कुमार रंगारी ने आर्थिक सिद्धांतों के रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि आर्थिक सिद्धांत वृहत अध्ययनों और विश्लेषण पर आधारित होते हैं। प्रत्येक शास्त्र का अध्ययन उसकी परिभाषा की प्रक्रिया से प्रारंभ होता है और अर्थशास्त्र इसका अपवाद नहीं है। अर्थशास्त्र के आर्थिक सिद्धांतों को रेखाचित्र के माध्यम से बहुत ही सहजता से स्पष्ट किया जाता है। इस प्रकार आर्थिक सिद्धांतो में रेखाचित्र की महत्ता स्वयं सिद्ध है। व्याख्यान में उपस्थित 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी शंकाओं का समाधान किया।

विशेषज्ञों ने रेखाचित्र से समझाए छात्रों को आर्थिक सिद्धांत

डोंगरगढ़ (नईदुनिया न्यूज)। नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आर्थिक सिद्धांतों का रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता शासकीय रानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी महाविद्यालय रामाटोला के सहायक प्राध्यापक डा.मनोज कुमार रंगारी थे।

विभागाध्यक्ष डा.आरआर कोचे ने बताया कि महाविद्यालय के नेक मूल्यांकन में अतिथि व्याख्यान एक महत्वपूर्ण अकादमिक एवं शैक्षण्कि गतिविधि होती है। इसके अतिरिक्त बाहर के शैक्षणिक संस्थानो से विषय विशेषज्ञ को आमंत्रित कर विषय के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की जाती है।

नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान में जानकारी देते विशेषज्ञ और विद्यार्थी। ● नईदुनिया

मुख्य वक्ता डा.मनोज कुमार रंगारी ने आर्थिक सिद्धांतो के रेखाचित्रीय प्रस्तुतिकरण विषय पर छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि आर्थिक सिद्धांत वृहत अध्ययनों और विश्लेषण पर आधारित होते हैं। प्रत्येक शास्त्र का अध्ययन उसकी परिभापा की प्रक्रिया से प्रारंभ होता है और अर्थशास्त्र इसका अपवाद नहीं है।

अर्थशास्त्र के आर्थिक सिद्धांतो को रेखाचित्र के माध्यम से बहुत ही सहजता से स्पष्ट किया जाता है। इस प्रकार आर्थिक सिद्धांतों में रेखाचित्र की महत्ता स्वयं सिद्ध है। अर्थशास्त्र में रोजगार प्रदान करने बहुत सी योजनाएं शासन द्वारा चलाई जा रही है। पीएम मुद्रा योजना एक महत्वपूर्ण रोजगारोन्मुख योजना है इस योजना से अनुदान एवं आर्थिक सबलता प्राप्त क युवा अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकते हैं। डा.रंगारी ने ब्लैक बोर्ड पर रेखाचित्र की रचना कर विभिन्न आर्थिक सिद्धांतो का विश्लेषण किया।व्याख्यान में उपस्थित 30 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी शंकाओं का समाधान किया।

रिश्वत के बिना नहीं होत

वाणिज्य विषय की महत्ता, कैरियर गाइडेंस हेतु व्याख्यान

डोंगरगढ़(दावा)। शा. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीमती ई.व्ही. रेवती द्वारा एम.काम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को वाणिज्य विषय की महत्ता को बताते हुए कैरियर गाइडेंस एवं नैक मूल्यांकन तैयारी हेतु व्याख्यान आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता रूप में संस्था के प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर ने छात्र-छात्राओं को एम.कॉम, करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे पीएससी, व्यापम, बैंकिंग, नेट, सेट, व अन्य विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि नियमित छात्र ही महाविद्यालय व विभाग की संपत्ति है। विद्यार्थियों को नित नये अन्वेषण रोजगार के क्षेत्र में करते रहना चाहिए। विद्यार्थियों की उपलब्धियों से ही महाविद्यालय गौरवांवित होता है। नैक मूल्यांकन हेतु वाणिज्य विभाग को सुसज्जित करने हेतु वाणिज्य विभाग में एक बिजनेस मोटिवेशनल सेंटर बनाने हेतु प्रेरित किया गया तथा डोंगरगढ़ तहसील व राजनांदगावं जिले में कौन-कौन से उद्योग स्थापित है एवं भविष्य में कौन-कौन से व्यापार एवं उद्योग, की संभावना है, इसकी विस्तृत जानकारी छात्र-छात्राओं को दी। उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रो (बीमा बैंक, शेयर बाजार) की विस्तृत जानकारी इस लैब के द्वारा महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र-छात्राओं को मिले, यह हमारा उद्देश्य है। अध्ययन पश्चात विद्यार्थी नौकरी के भरोसे न रहकर स्वयं आत्मनिर्भर बन सके। साथ ही विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन में कार्य करने एवं महाविद्याल में उपस्थित रहने हेतु प्रेरित किया। विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था का कराया भ्रमण

सत्र 2020-21 एम.कॉम. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को प्राचार्य डॉ.के.एल.टाण्डेकर के मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती के निर्देशन एवं सहायक प्राध्यापक जन. समिति संदीप कुमार श्रीवास के सहयोग से डोंगरगढ़ के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

सत्र 2019-20 में संस्था के साथ महाविद्यालय का एम.ओ.यू हुआ था, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शास.औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा समय-समय पर प्रशिक्षित करने हेतु समझौता हुआ है, जिसका लाभ महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को मिलेगा। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान इलेक्ट्रीशियन, फीटर, प्लम्बर, वायरमैन, मशीनिस्ट इत्यादि कार्य किस प्रकार संपादित किये जाते हैं, इसकी जानकारी विस्तृत रूप से विद्यार्थियों को दी गई। संस्था के प्रशिक्षक मैडम श्रीमती माधवी राव द्वारा इलेक्ट्रीकल विभाग में विद्यार्थियों को वायरिंग के विभिन्न प्रकारो के बारे में बताया गया। मैडम प्रतिभा बांडे ने फिटर विभाग में वाईडिंग के बारे में जानकारी दी। औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र डोंगरगढ़ के प्राचार्य एम.एल. बंजारे ने आगामी प्रशिक्षण हेतु योजना बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम

भाषा और साहित्य में अंतर विषय पर व्याख्यान आयोजित

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर कॉलेज में प्राचार्य डॉ. केएल टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं हिन्दी की अतिथि शिक्षक किरण सिंह ठाकुर के मागदर्शन में हिन्दी विभाग द्वारा 29 जनवरी शुरवार को अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय सुर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया के सहायक प्राध्यापक डॉ. एस कुमार गौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता ने छात्र-छात्राओं को अपने व्याख्यान में भाषा और साहित्य में अंतर बताते हुए कहा कि भाषा माध्यम है और साहित्य उस माध्यम से सामने रखी गई बात है। हिंदी, अंग्रेजी आदि भाषाएं हैं और उनमें लिखी गई कहानियां, कविताएं आदि उस भाषा का साहित्य हैं। भाषा वैज्ञानिक हमें शब्द देते हैं, लेकिन साहित्यकार उन शब्दों को चुनकर एक रचना को जन्म देते हैं। भाषा वैज्ञानिक वाक्य संरचना का ज्ञान कराते हैं, लेकिन साहित्यकार वाक्य का अर्थ सुरक्षित रखते हुए रचना में लालित्य पैदा करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. गौर को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ₹ीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर एवं आभार प्रदर्शन अ.शि. किरण सिंह ठाकुर ने किया।

छात्रों ने देखी कपड़ा निर्माण प्रक्रिया

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने

विभागाध्यक्ष डॉ. तरन्नुम के मार्गदर्शन में गत दिनों चंद्रगिरी हथकरघा उद्योग का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने वस्त्रों की कताई, बुनाई, चरखा से वस्त्र निर्माण, दो रंगों के तंतुओं का प्रयोग, वस्तुओं का निर्माण, वस्त्रो के माध्यमों से प्रिंटिंग स्टैंसिल, ब्लॉक, रोलर प्रिंटिंग आदि का अवलोकन किया। डॉ. तरन्नुम ने विद्यार्थियों को बताया कि कहां-कहां किस क्षेत्र में कार्य हो रहा है। भ्रमण से विद्यार्थियों ने जाना कि वर्तमान में वनस्पतिक तंतुओं के माध्यम से कपड़ों का निर्माण कैसे किया जाता है। चंद्रगिरी हथकरघा में 108 मशीनें है जिससे प्रतिदिन 60 से 70 कपड़े, साड़ी, टावेल, सूट, रूमाल, धोती आदि बनाया जाता है।

वाणिज्य विभाग में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान

स्वॉट एनालिसिस की महत्ता बताई गई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

डोंगरगढ़. शास. नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के दिशा निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती के मागदर्शन और अतिथि व्याख्याता संदीप श्रीवास के सहयोग से वाणिज्य विभाग स्वॉट एनॉलिसिस विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में शास. कमला देवी राठी महाविद्यालय राजनांदगांव, वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. लाली शर्मा उपस्थित थी।

कार्यकम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवल कर किया गया। डॉ. लाली शर्मा ने स्वाट एनालिसिस पर छात्र-छात्राओं को पीपीटी के माध्यम से बताया कि षक्तियों का मतलब केवल शारीरिक शक्तियां ही नहीं बल्कि मानसिक क्षमता से भी हैं। अपनी कमजोरियों को पहचान कर, उन्हें दूर करने का प्रयास करेंगे तभी आप अपनें लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

कमियों के कारण ही हमें डर लगता है पर डरना नहीं है, अपितु उसे दूर करने का प्रयास करना है। सफलता के लिए अपनी खुबियों एवं कमियों को पहचानना आवष्यक होता है अवसर बाह्य घटक है और शक्तियां आंतरिक घटक है। आंतरिक घटकों में आप वृद्धि करते हुए चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। व्यक्ति, व्यावसायिक, संस्थाएं, गैर-व्यावसायिक, पूण्यार्थ संस्थाये अपना स्वॉट एनालिसिस कर सकते हैं। निर्णय लेने में सहायक,व्यसाय में सफलता और विफलता से जुड़े महत्वपूर्ण कारकों को व्यवस्थित करना, व्यक्तिगत एवं संगठन के अपने शक्तियों एवं कमजोरियों को जानना स्वॉट एनालिसिस आदि के आवश्यक तत्व हैं।

तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

● नवभारत प्रतिनिधि | डोंगरगढ़.
www.navbharat.org

नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं आईक्यूएसी के मागदर्शन में विद्यार्थियों के चेतना विकास मूल्य शिक्षा प्रदान करने हेतु कृष्ण कुमार पटेल प्रधानपाठक गरियाबंद, अविनाश बारले उच्च वर्गशिक्षक महासमुंद एवं नेहरू महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्रा रही.

किरण नरेडी शिक्षिका शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला डोंगरगढ़ के सहयोग से तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केण.एल. टाण्डेकर ने कहा कि वतर्मान शिक्षा प्रणाली अंग्रेजों की बनाई शिक्षा प्रणाली है जो पूरी तरह एकांगी है. उक्त उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया है. शिविर में प्रबोधक एवं शिक्षक अविनाश बारले एवं कृष्ण कुमार पटेल ने छात्र-छात्राओं को चेतना विकास मूल्य शिक्षा अर्थात जीवन विद्या की जानकारी देते हुए बताया कि वतर्मान शिक्षा प्रणाली में शिक्षा में कौशल विकास को अधिक फोकस किया गया है. उक्त तीन दिवसीय शिविर में महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के लगभग 40 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया एवं जीवन जीने की कला से लाभांवित हुए.

शिविर के समापन अवसर पर समस्त छात्राओं ने तीन दिन शिविर में बतायी गई बातो एवं अनुभवो पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उक्त शिविर से उन्हें क्या.क्या लाभ मिले एवं उनके जीवन में क्या परिवर्तन आने शुरू हुए इसकी जानकारी दीण साथ ही अन्य लोगो को इस शिविर में भाग लेने के लिए प्रेरित करने की बात कही.

कृषि कानून पर अर्थशास्त्र विभाग में हुई समूह चर्चा

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शास.नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के दिशा निर्देशन एवं अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर.कोचे के मागदर्शन में समकालीन विषय कृषि कानून विधेयक पर समूह चर्चा का आयोजन किया गया। विषय की महत्ता एवं प्रासंगिता को रेखांकित करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर कोचे ने बताया कि कृषि ऐसा विषय हे जिसका संबंध प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष रूप से सभी वर्गों के साथ है। भारत की बडी जनसंख्या जीवन यापन के लिए कृषि पर आधारित है। इसके अतिरिक्त भारत की जीडीपी में भी कृषि का लगभग 15 प्रतिशत योगदान है। इन परिस्थितियों में वर्तमान कृषि कानून पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श करना आवश्यक हो गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. के.एल.टाण्डेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह समूह चर्चा का आयोजन करना न केवल महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह पठन-पाठन की तकनीक का एक रूप है, जिससे छात्र-छात्राएं बड़ी आसानी से विषय पर अपनी पकड़ मजबूत कर सकते हैं। समूह चर्चा के विषय पर मंथन करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर. कोचे ने बताया कि भारत सरकार ने तीन नये कृषि कानून को पारित करा है जिसमें कृषि उत्पादन , व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन, सुविधा विधेयक) के साथ मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवाओं पर कृषक सशक्तिकरण एवं संरक्षक अनुबंध विधेयक के अतिरिक्त आवश्यक वस्तु अधिनियम संशोधन बिल है। इन तीनो कानूनो के विधेयक के अंतर्गत किसानो को अपनी उपज विक्रय करने की आजादी होगी। देशभर में कही भी किसान अपनी उपज ऑनलाइन मोड पर भी विक्रय कर सकते है इसी प्रकार दूसरे बिल में कांटेक्ट फार्मिंग अथवा अनुबध खेती की खराब होने की दशा में क्षतिपूर्ति कंपनियों को देने का प्रावधान है। जबकि तीसरे कानून आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत अब खाद्य तेल, तिलहन, दाल प्याज और आलू जैसे उत्पादो से स्टाक लिमिट लगाई जाएगी।

इस महत्वपूर्ण विषय पर सभी विद्यार्थियों ने चर्चा में भाग लेकर अपनी राय रखी तथा कानून के विवादित बिन्दु से आशंकित किसानो पर चिंता जताई गई। इस बिल से किसानो को आशंका है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी नही है तथा राज्य सरकारो की चिंता है कि मंडियो का अस्तित्व नही होने से मंडी शुल्क से प्राप्त राजस्व में कमी होगी। इसी प्रकार कांटेक्ट फार्मिंग के अंतर्गत किसान और कंपनी के माध्य विवाद की स्थिति में विवाद का निपटारा केवल एसडीएम की अदालत में ही होगा। इसे उच्च न्यायालय में अपील का प्रावधान नही है। इस बिल के तीसरे कानून में विवादित बिन्दू यह है कि अब आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत खाद्य तेल, तिहन, दाल , प्याज और आलू जैसे कृषि उत्पादों पर से स्टाक लिमिट लगाई जायेगी। जबकि प्रोससर या वैल्यू चैन के लिए एसी कोई स्टाक लिमिट नही होगी। कानून में इस प्रकार की व्यवस्था से आवश्यक वस्तुओं की कीमते बढ़ेगी। उक्त समूह चर्चा में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर विषय के विभिन्न पहलुओ पर विस्तृत चर्चा की।

भूगोल परिषद का गठन कर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियों के बारे में बताया

प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने पदाधिकारियों को परिषद से जुड़ी जानकारी दी

भास्कर न्यूज़ | डोंगरगढ़

शासकीय नेहरू कॉलेज में भूगोल विभाग में परिषद का गठन किया गया। इसमें परिषद के पदाधिकारियों में भूगोल परिषद का अध्यक्ष अंकिता वैष्णव, उपाध्यक्ष मेघनाथ जंघेल, सचिव कमलेश कुमार, सचिव यशोदा यादव, कोषाध्यक्ष तमन्ना व पूजा, कार्यकारिणी सदस्य पायल, ज्योति दुबे, पुष्पा, मिलिंद, नेहा, ढाल सिंह, उमाकांत व मंच संचालन के लिए लालेंद्र कुमार, प्रियंका पांडे को चुना गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने पदाधिकारियों को परिषद के महत्व व विभागीय गतिविधियों का अच्छे से निर्वहन करने की बात कही। छात्र-छात्राओं को भूगोल विषय के महत्व से अवगत कराते हुए भविष्य में प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए किस प्रकार तैयारी करें इस संबंध में भूगोल विषय कि कई महत्वपूर्ण जानकारियां छात्र-छात्राओं को प्रदान की। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईवी रेवती ने छात्रों को संसाधन संरक्षण पर जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आशा चौधरी ने छात्र-छात्राओं को कर्तव्य निष्ठा से संबंधित बात कही। भूगोल विभाग से डॉ. नौशीन अंजुम, भूगोल परिषद की अध्यक्ष अंकिता वैष्णव, मेघनाथ जंघेल उपस्थित रहे।

डोंगरगढ़. भूगोल परिषद का गठन कर दी गई प्रतियोगी परीक्षा की जानकारी।

मिट्टी प्रदूषण रोकने का आव्हान

डोंगरगढ़। नेहरू महाविद्यालय में भूगोल विभाग ने विश्व मृदा दिवस मनाया। भूगोल की प्राध्यापिका डॉ नौशीन अंजुम के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में छात्र छात्राओं को मृदा संरक्षण जागरूकता एवं मिट्टी प्रदूषण के रोकथाम से अवगत कराया गया। स्थानीय स्तर पर मृदा की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्राध्यापिका डॉ अंजुम ने प्रस्तुत किया। छात्र छात्राओं ने मृदा संरक्षण स्लोगन, मृदा संरक्षण वार्ता में भाग लिया। मुख्य अतिथि आइक्यूएसी प्रभारी डॉ ईव्ही रेवती एवं विशिष्ट अतिथि डॉ आशा चौधरी, डॉ नीता ठाकुर, डॉ. मेधाविनी तुरे एवं तूलिका चक्रवर्ती थी। कार्यक्रम में आंचल रामटेके, कमलेश कुमार, प्रीति साहू, लालेन्द्र कुमार, डोमेश्वर सिन्हा ने उत्कृष्ट विचार प्रस्तुत किए। अध्यक्ष अंकिता वैष्णव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

एवं आयोजन का सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

नेहरू महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा मनाया गया विश्व मृदा दिवस

मृदा संरक्षण जागरूकता एवं मिट्टी प्रदूषण की रोकथाम हेतु किय गया जागरूक

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में भूगोल विभाग द्वारा 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ नौशीन अंजुम के मार्गदर्शन में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को मृदा संरक्षण जागरूकता एवं मिट्टी प्रदूषण की रोकथाम हेतु जागरूक करना तथा मृदा में लवणीकरण की रोकथाम हेतु संदेश देना देना था जिसके अंतर्गत स्थानीय स्तर पर मृदा की जानकारी पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की प्राध्यापिका डॉ नौशिन अंजुम द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं छात्र छात्राओं द्वारा मृदा संरक्षण स्लोगन मृदा संरक्षण वार्ता मे भाग लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आइक्यूएसी प्रभारी डॉ श्रीमती ई.व्ही. रेवती एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ आशा चैधरी डॉ नीता ठाकुर, डॉ. मेधाविनी तुरे एवं श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती उपस्थित थीं कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ प्रारम्भ हुआ। अतिथियों का स्वागत भूगोल परिषद के अध्यक्ष कुमारी अंकिता वैष्णव उपाध्यक्ष मेघनाथ सचिव कमलेश कुमार एवं सचिव यशोदा यादव द्वारा किया गया । कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा मिट्टी संरक्षण से संबंधित स्लोगन एवं वार्ता प्रस्तुत की गई जिसमें बी ए द्वितीय से आंचल रामटेके तृतीय सेमेस्टर से कमलेश कुमार बीए तृतीय से प्रीति साहू एम ए तृतीय सेमेस्टर से लालेन्द्र कुमार बीए तृतीय से डोमेश्वर सिन्हा उत्कृष्ट विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में डॉ श्रीमती ई व्ही रेवती ने मृदा के महत्व एवं संरक्षण हेतु छात्र छात्राओं को प्रेरित किया एवं बताया कि मृदा दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों में मिट्टी के प्रकार एवं उनके प्रत्यक्ष नमूनों के माध्यम से एवं पीपीटी प्रस्तुतीकरण उपयोगी रहा एवं आगे भी ऐसे आयोजन की शुभकामना प्रेषित की । इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ श्रीमती आशा चैधरी विश्व स्तर पर मृदा के कटाव एवं मृदा के महत्व को समझाया । श्रीमती तूलिका चक्रवर्ती ने प्लास्टिक जैसे अपशिष्ट के कारण होने वाले प्रभाव का उल्लेख किया कि किस प्रकार से मृदा प्रदूषित हो रही है तथा इसका संरक्षण कितना आवश्यक है । हिंदी विभाग से डॉ नीता ठाकुर एवं डॉ. मेधावीनी तूरे ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में पुनरावृति हेतु छात्र छात्राओं को प्रेरित किया। भूगोल विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा इस अवसर पर स्थानीय स्तर की मिट्टी के नमूने भाटा कन्हार एवं कछारी मटासी मिट्टी एकत्रित कर बताया कि डोंगरगढ़ विकासखंड में सबसे अधिक 40.03 प्रतिशत कन्हार मिट्टी है और सबसे कम 1.42 प्रतिशत कछारी मिट्टी है। उक्त कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने मृदा संरक्षण हेतु संकल्प लिया एवं अध्यक्ष कुमारी अंकिता वैष्णव ने कार्यक्रम की समाप्ति के साथ धन्यवाद ज्ञापित किया।

नेहरू महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा मनाया गया विश्व मृदा दिवस

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में भूगोल विभाग द्वारा 5 दिसम्बर को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नौशीन अंजुम के मार्गदर्शन में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को मृदा संरक्षण जागरूकता एवं मिट्टी प्रदूषण की रोकथाम हेतु जागरूक करना तथा मृदा में लवणीकरण की रोकथाम के लिए संदेश देना था जिसके अंतर्गत स्थानीय स्तर पर मृदा की जानकारी पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की प्राध्यापिका डॉ. नौशिन अंजुम द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं छात्र छात्राओं द्वारा मृदा संरक्षण स्लोगन, मृदा संरक्षण वार्ता मे भाग लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. ईव्ही रेवती एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आशा चौधरी, डॉ. नीता ठाकुर, डॉ. मेधाविनी तुरे एवं तूलिका चक्रवर्ती उपस्थित थीं। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ प्रारंभ हुआ।

संप्रेषण कला के महत्व पर गणित विभाग में हुआ अंतर्विभागीय व्याख्यान

संप्रेषण कला विकास के लिए निरंतर कुछ नया सीखना आवश्यक - प्रतिभा सिंह

डोंगरगढ़(नांदगांव टाइम्स)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में प्राचार्य डॉ के एल टांडेकर के दिशा निर्देशन में 30 नवम्बर को गणित विभाग द्वारा अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग की अतिथि व्याख्याता सुश्री प्रतिभा सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थी। इस अतिथि व्याख्यान का विषय संप्रेषण कला था। कार्यक्रम का शुभारंभ गणित विभाग के अ. व्या. लीलाराम देवांगन ने मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर किया। मुख्य वक्ता सुश्री प्रतिभा सिंह ने बताया कि वर्तमान में संप्रेषण का उद्देश्य सूचनाओं एवं सदस्यों का प्रेषण, मानवीय संबंधों का सृजन, प्रबंधकीय कौशल का विकास, नियंत्रण एवं निर्देशन करने में सहायक, अभी प्रेरणा एवं मनोबल को बढ़ाने में सहायक तथा संगठन के समन्वय में सहायक होते हैं। संप्रेषण व्यवहार हमारी आंतरिक एवं बाह्य शक्तियों को प्रभावित करती

है व्यक्ति अपने आंखों एवं चेहरे के अभिव्यक्त से बहुत से संदेश आंतरिक शक्ति व्यक्ति के भाव होते हैं जबकि बाह्यशक्ति हमारे शारीरिक भाषा हाव भाव चलने के ढंग आदि द्वारा प्रदर्शित होता है। संप्रेषण कला के विकास के लिए व्यक्ति को हमेशा कुछ नया सीखना पुस्तक पढ़ना, भ्रमण करना एवं समूह चर्चा आदि में संलग्न रहना चाहिए ताकि हमें सकारात्मक होकर कार्य करने की प्रेरणा एवं आंतरिक ऊर्जा मिलते रहे। संप्रेषण कला जरूरी क्यों है इस पर उन्होने बताया कि जब हम अपनी बात को सही तरीके से किसी के सामने प्रस्तुत करना नहीं आता है यदि हमारे पास संप्रेषण करने की शैली नहीं है किसी व्यवहार या जॉब में अच्छे से अपनी बात को प्रस्तुत नहीं कर पाएंगे तो आप कभी सफल नहीं हो पाएंगे। इस प्रकार मुख्य वक्ता ने संप्रेषण कला के माध्यम से बहुत अच्छी जानकारी विद्यार्थियों को दी गई। अंत में गणित विभाग के अ.व्या. लीला राम देवांगन आभार प्रदर्शन कर मुख्य वक्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया।

न्यायालय अ

वाणिज्य विभाग में केस स्टडी पर व्याख्यान

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को प्रभारी प्राचार्य डॉ. ईव्ही रेवती के निर्देशन में वाणिज्य विभाग मे केस स्टडी विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बीआईटी दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती

के चरणों में फूल अर्पित एवं प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य वक्ता का स्वागत प्रतिभा सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ एवं फूलदान देकर किया गया। वाणिज्य विभागाध्यक्ष द्वारा डॉ अभिषेक चक्रवर्ती सर का संक्षिप्त परिचय देकर उन्हें व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान युग में वाणिज्य के क्षेत्र में सिर्फकिताबी शिक्षा ही काफी नहीं बल्कि साथ ही साथ व्यवसाय से जुड़ी केस स्टडी का भी अध्ययन करना आवश्यक है।

नई शिक्षा नीति पर नेहरू महाविद्यालय में हुआ अतिथि व्याख्यान

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा 17 दिसंबर को नई शिक्षा नीति विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बी.आई.टी. दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ अभिषेक चक्रवर्ती उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता एवं सभी प्राध्यापकों द्वारा मां सरस्वती के शैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित एवं माल्यार्पण कर किया गया । मुख्य वक्ता डॉ. अभिषेक चक्रवर्ती ने बताया कि वास्तव में शिक्षा नीति में परिवर्तन की आवश्यकता थी । नई शिक्षा नीति का उद्देश्य सभी छात्रों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है ज़िनका लक्ष्य 2030 तक पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 5.3 .3.4 का पैटर्न फॉलो किया जाएगा जिसने की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा और बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे । बच्चों की क्षमता की पहचान एवं विकास करना ,साक्षरता एवं सतत संख्यात्मक ज्ञान को बढ़ाना, शिक्षा को लचीला व गुणवत्तापूर्ण बनाना, बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना, उत्कृष्ट स्तर पर शोध करना , शिक्षा नीति को पारदर्शी बनाना, विभिन्न प्रकार की भाषाएं सीखना, बच्चों की सोच को रचनात्मक एवं तार्किक करना है। इस व्याख्यान से विद्यार्थियों ने नई शिक्षा नीति के बारे में जानकारी प्राप्त कर लाभान्वित हुए। कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती ज्योति साहू द्वारा किया गया । उन्होंने बताया नई शिक्षा नीति. को आरंभ करने का मुख्य उद्देश्य भारत को एक ज्ञान महाशक्ति बनाना है जिससे कि समाज में बदलाव आ सके। र्यक्रम में शिक्षकों सहित 56 विद्यार्थी लाभावित हुए। आभार प्रदर्शन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. ई.व्ही. रेवती ने किया।

शिक्षा के स्तर में सुधार करने के लिए सरकार का सार्थक प्रयास- अभिषेक

विवेकानंद के व्यक्तित्व और दर्शन पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ डोंगरगढ़

नेहरू महाविद्यालय में हिन्दी प्राध्यापिका डॉ. नीता ठाकुर ने विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल माध्यम से स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व और दर्शन पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए विचार प्रस्तुत किए। बीए प्रथम की कल्पना, गीता, रुपाली, इंदु, नंदिनी, श्रद्धा, आकांक्षा ने विवेकानंद के कथनों पर विचार व्यक्त किए। खिलेश ने जीवन परिचय, टिकेश्वरी पटेल ने प्रेरक प्रसंग, काजल ने शिक्षा दर्शन, करण ने राजयोग, भक्तियोग, कर्मयोग, आमिनी ने युवा दिवस, कामिनी ने समाज सुधार तथा कोमल साहू ने जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। इसी तरह डिगेश्वर वर्मा ने शिक्षा दर्शन, निकिता गुप्ता ने शिकागो व्याख्यान, प्रिंस गुप्ता ने प्रेरक प्रसंग, राजेश्वरी वर्मा ने कथन, हर्षिता श्रीवास्तव ने सिद्धान्त, भावना पटेल ने जीवन दर्शन,प्रमिला साहू ने शिक्षा दर्शन,राहुल कुमार ने व्यक्तित्व पर विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में लगभग 60 विद्यार्थी शामिल हुए। प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना की।

हरिभूमि

रायपुर - संस्कारधानी भूमि

Date 26 Mar 2022

छात्र छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 16 मार्च को प्रभारी प्राचार्य डॉ प्रदीप कुमार जाम्बुलकर के निर्देशन एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ श्रीमती ई व्ही रेवती, ज्योति साहू, सुश्री प्रतिभा सिंह एवं सुश्री महिमा जोबनपुत्रा के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग के छात्र-छात्राओं ने कलकसा गौठान का अवलोकन किया।इस दौरान विद्यार्थियों को गौठान में निर्मित वर्मी कंपोस्ट खाद , मत्स्य पालन, मुर्गी पालन एवं फूलों की खेती आदि से अवगत कराया गया।

छात्रों ने उपन्यास का प्रोजेक्टर के माध्यम फिल्म का अवलोकन किया

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ में 29 मार्च को प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जांबुलकर के निर्देशन एवं अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक गुलशन सिन्हा के मार्गदर्शन में एम.ए. अंग्रेजी साहित्य के छात्र-छात्राओं के पाठ्यक्रम पर आधारित आनेस्ट हेमिंगवे द्वारा रचित 'द ओल्ड मैन एंड द सी' उपन्यास का प्रोजेक्टर के माध्यम से फिल्म का अवलोकन कराया गया। फिल्म के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने कथा साहित्य (उपन्यास) के संबंध में बोध प्राप्त किया और उपन्यास के पात्रो के चरित्र चित्रण एवं प्रसंग को गंभीरता से लेते हुए इसे आत्मसात किया, जिसमें 40 विद्यार्थी लाभांवित हुए। इस अवसर पर अंग्रेजी विभाग के अतिथि शिक्षक सुनील कुमार, सुश्री पदमा खुटे उपस्थित रहे।

हरिभूमि

रायपुर - संस्कारधानी भूमि

Date 8 Apr 2022

भूगोल विभाग में भूतपूर्व छात्रों की बैठक आयोजित

डोंगरगढ़। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीते दिनो प्राचार्य प्रदीप

जाम्बुलकर के नेतृत्व में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक हेमुराम पद्मे एवं डॉ नौशीन अंजुम द्वारा एलुमिनि सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अथिति के रूप में आईक्यूएसी प्रभारी डॉ ईव्ही रेवती उपस्थित रहीं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नेक पियर टीम के आगमन के विषय में चर्चा एवं महाविद्यालय की नवीन गतिविधियों और उपलब्धियों के सम्बन्ध में जानकारी देना था। साथ ही सुझाव भी लिए गए की कैसे भूतपूर्व छात्रों द्वारा विभागीय विकास एवं योजना बनाई जा सकती है। भूतपूर्व छात्र मुकेश कुमार, दुर्गेश वस्त्रकार, दिव्या गोली, वहीदा नाहिद, कमलेश पटेल, हिमांशु महोबिया, अनुसूया साहू ने सुझाव दिए।

अर्थशास्त्र विभाग में हुई बजट समीक्षा

डोंगरगढ़, (सबेरा संकेत)। स्थानीय शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विगत दिवस अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए केन्द्रीय बजट पर समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बजट समीक्षा के अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. आर.आर. कोचे ने बताया कि केन्द्रीय सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 45 लाख करोड़ से अधिक का बजट प्रावधान किया है, जो विभिन्न स्त्रोतों आयकर, निगम कर, उत्पाद शुल्क, सार्वजनिक ऋण तथा जीएसटी के माध्यम से प्राप्त किया जायेगा। विभागाध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम के आरंभ में बजट के इतिहास पर बताया गया कि बजट का आंकलन तथा विवरण सैकड़ों वर्षों से विभिन्न शासन काल से किया जा रहा है।

वर्तमान काल में बजट के स्वरूप में काफी परिवर्तन हुए हैं। प्रत्येक वर्ष फरवरी माह के प्रथम कार्य दिवस को केन्द्रीय बजट का प्रस्तुतिकरण वित्त मंत्री द्वारा किया जाता है। बजट किसी शासन के आय-व्यय का ही विवरण नहीं होता बल्कि इस बजट में शासन की विभिन्न नीतियों तथा योजनाओं का भी प्रस्तुतिकरण होता है। सरकार बजट के माध्यम से अपने दिशा एवं कार्यों को दर्शाती हैं। वर्तमान वित्तीय वर्ष में करदाताओं को किसी प्रकार की आयकर में रियायत नहीं देने की बात कही गई है।

विगत दो वर्षों से कोविड 19 के कारण अर्थव्यवस्था के दुष्प्रभावी होने के पश्चात विकास दर को ऊंचे स्तर पर ले जाना शासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। साथ ही जीसटी से पर्याप्त मात्रा में राजस्व का संग्रहण न होना भी बड़ी चुनौती के रूप में सामने आया है। इसके अतिरिक्त महंगाई तथा बेरोजगारी का निरंतर बढ़ना भी वर्तमान सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट समीक्षा कार्यक्रम में अर्थशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। छात्रों को बजट के विभिन्न पहलुओं के संबंध में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी प्रदान करने की कोशिश की गई। अंत में सहभागी सहायक प्राध्यापक सुश्री मनीषा भेड़िया ने सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

भूगोल विभाग में हुई पूर्व विद्यार्थियों की बैठक

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीते दिनों प्राचार्य प्रदीप जाम्बुलकर के नेतृत्व में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक हेमुराम पद्मे एवं डॉ नौशीन अंजुम द्वारा एलुमिनि सदस्यों की बैठक का आयोजन किया। बैठक में मुख्य अथिति के रूप में आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ ई व्ही रेवती उपस्थित रहीं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नेक पियर टीम के आगमन के विषय में चर्चा एवं महाविद्यालय की नवीन गतिविधियों और उपलब्धियों के सम्बन्ध में जानकारी देना था। साथ ही सुझाव भी लिए गए कि कैसे भूतपूर्व छात्रों द्वारा विभागीय विकास एवं योजना बनाई जा सकती है। भूतपूर्व छात्र मुकेश कुमार, दुर्गेश वस्त्रकार ,दिव्या गोली ,वहीदा नाहिद ,कमलेश कुमार पटेल, हिमांशु महोबिया ,अनुसूया साहू ने सुझाव दिए। अंत में विभाग द्वारा सभी उपस्थित भूतपूर्व छात्र-छात्राओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्यार्थियों को कराया टेक्नॉलाजी सेंटर दुर्ग का शैक्षणिक भ्रमण

डोंगरगढ़ @ पत्रिका. शासकीय नेहरू महाविद्यालय में डोंगरगढ़ के प्राचार्य प्रदीप कुमार जांबुलकर के दिशा-निर्देशन में महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग और वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों को 4 अप्रैल को विभागाध्यक्ष डॉ. ईव्ही रेवती एवं तूलिका चक्रवर्ती के मागदर्शन में छात्र-छात्राओ को एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग एवं अक्षय पात्र भिलाई का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। उक्त शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के पीजीडीसीए, बीकॉम, बीएससी कम्प्यूटर साइंस, एवं डीसीए के कुल 90 विद्यार्थियों ने एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग रसमड़ा जाकर कम्प्युटर के बेसिक पार्ट्स और लैंग्वेजेज की प्रैक्टिकल जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा वहां सीएनसी मशीन एवं मशीन वर्टीकल तथा मशीन मिलिंग मशीन को प्रैक्टिकल देखा और ये भी जाना कि इन मशीन को कंप्यूटर के द्वारा कैसे चलाया जाता हैं और कैसे उनकी प्रोग्रामिंग की जाती है। इस अवसर पर एमएसएमई टैक्नालॉजी सेंटर दुर्ग में छात्र-छात्राओं के लिए एक व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। व्याख्यान पश्चात विद्यार्थियों को एमएसएमई द्वारा छात्र-छात्राओं को सहभगिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इसके बाद विद्यार्थियों को अक्षय पात्र भिलाई ले जाया गया, जहाँ उन्होंने वहाँ की कार्यप्रणाली जानी, वहां विद्यार्थियों ने कीचन में मशीनो से भोजन बनाने की तकनीक की जानकारी प्राप्त की। अक्षय पात्र में विद्यार्थियों के लिए भोजन की व्यस्था भी की गई थी। उक्त शैक्षणिक भ्रमण से 90 विद्यार्थी लाभावित हुए। महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. जांबुलकर ने सफल शैक्षणिक भ्रमण के लिए आयोजक विभाग को शुभकामनाएं दी।